M/s. SHANTA SERVICE STATION
Bharat Petroleum
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दैनिक धनुषधारी
संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी
वर्ष-33, अंक 208, उल्हासनगर, मंगलवार 28 जुलाई 2026 (पृष्ठ 6)
Mob. No. 9325937797
E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com
Post Regd No.THC/111/2024-2026
RNI No. 68359/93,
dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

83 करोड़ के टेंडरों के बाद अब करोड़ो के मैन्युअल टेंडर भी जांच के घेरे में

टेंडरों की जांच रिपोर्ट सामने आएगी या मामला दबाने में फिर कामयाब होगा प्रशासन?

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर मनपा की 20 जुलाई को हुई महासभा में नगरसेवक संजय सिंह (चाचा), राजेश वानखेड़े और दीप्ती नवीन दुधानी ने सार्वजनिक बांधकाम विभाग द्वारा मैन्युअल पद्धति से निकाले गए करोड़ों रुपये के टेंडरों में कथित अनियमितता और गैरव्यवहार के गंभीर आरोप लगाते हुए विस्तृत जांच की मांग की थी। इस संबंध में प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया था। साथ ही संबंधित मैन्युअल टेंडरों को तत्काल रद्द करने की मांग भी उठाई गई थी। हालांकि, जिस प्रकार की तीखी बहस और हंगामे की उम्मीद की जा रही थी, वैसा कुछ भी महासभा में देखने को नहीं मिला। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नगरसेवक संजय सिंह ने कहा कि प्रशासनिक कार्यकाल के चार वर्षों में मैन्युअल टेंडरों के माध्यम से अनेक अनियमितताएं हुई हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें इस संबंध में एक पत्र प्राप्त हुआ है तथा अतिरिक्त आयुक्त ने जांच के लिए 15 दिनों का समय मांगा है। उन्होंने मांग की कि अगली महासभा में यह विषय दोबारा सदन के समक्ष रखा जाए। वहीं नगरसेविका दीप्ती दुधानी ने कहा कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक संबंधित ठेकेदारों के भुगतानों पर रोक लगाई जानी चाहिए। उन्होंने करीब 3.70 करोड़ रुपए के एक मैन्युअल टेंडर का भी उल्लेख किया। इस पर मनपा आयुक्त ने सदन को आश्वस्त किया कि पूरी प्रक्रिया कानून के अनुसार की जाएगी तथा वे स्वयं जांच कर अगली महासभा में रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी।

गौरतलब है कि उल्हासनगर मनपा का सार्वजनिक बांधकाम विभाग लंबे समय से भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों के घेरे में रहा है। आरोप लगते रहे हैं कि शासन के दिशा-निर्देशों के बावजूद ई-टेंडरिंग के स्थान पर मैन्युअल टेंडर निकाले जा रहे है, बड़े कार्यों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर

मैन्युअल टेंडर के माध्यम से कुछ चुनिंदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया जा रहा है तथा कथित रूप से विशेष शर्तों वाले टेंडर तैयार कर प्रतिस्पर्धा को भी प्रभावित किया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों पर अब तक किसी बड़ी कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। सूत्रों के अनुसार, अनेक आरोपों और कारवाई से बचने के लिए सार्वजनिक बांधकाम विभाग के कनिष्ठ अभियंता संदीप जाधव द्वारा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वी.आर.एस) के लिए आवेदन किए जाने की चर्चाएं पिछले कई महीनों से चल रही हैं। इसके बावजूद उनके विभाग में बने रहने तथा विभाग के टेंडरों पर कथित नियंत्रण को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। ऐसे में मांग की जा रही है कि यदि मैन्युअल टेंडरों की जांच होती है तो संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच की जाए।

हालही में सार्वजनिक बांधकाम विभाग और मनपा प्रशासन 83 करोड़ के टेंडरों को लेकर भी विवादों में रहा है। आरोप लगाए गए कि स्थायी समिति के सदस्यों के रहते हुए तथा स्थायी समिति के सभापति के चुनाव की प्रतीक्षा किए बिना आयुक्त ने अपने अधिकार क्षेत्र का उपयोग करते हुए लगभग 83 करोड़ रुपए के अलग-अलग टेंडरों को मंजूरी दे दी। इसे लेकर यह सवाल भी उठे कि जिन टेंडरों पर करीब दो वर्षों तक निर्णय नहीं लिया गया, उन्हें अचानक दो सप्ताह का भी इंतजार किए बिना किस आधार पर स्वीकृति दी गई। इसके अलावा यह आरोप भी लगाए गए कि जिन टेंडरों में सामान्यत: 15 से 20 प्रतिशत तक 'बिलो' (Below) दरें प्राप्त हो रही थीं, उन्हें कथित रूप से सेटिंग कर मात्र लगभग 1 प्रतिशत 'बिलो' पर भरवाया गया, जिससे मनपा को संभावित आर्थिक नुकसान होने की आशंका जताई गई है। इन आरोपों की भी निष्पक्ष और विस्तृत जांच की मांग की जा रही है। हालांकि, इस संबंध में अब तक कोई स्पष्ट जवाब या जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है।

83 करोड़ रुपए के टेंडरों के विषय पर स्थायी समिति के आठ से नौ सदस्यों ने विशेष महासभा बुलाने की मांग भी की थी, लेकिन उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में जाता दिखाई दिया। जिन जनप्रतिनिधियों ने विशेष महासभा की मांग की थी, वे भी अब इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं बोल रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में यह सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या मामला अंदरखाने सुलझा दिया गया है। 83 करोड़ रुपए के इन टेंडरों में भारी अनियमितताओं के आरोप लगातार लगाए जा रहे हैं, लेकिन अब तक किसी जनप्रतिनिधि द्वारा इस विषय पर खुलकर आवाज नहीं उठाई जा रही है। अब सबकी निगाहें अगली महासभा पर टिकी हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अतिरिक्त आयुक्त द्वारा मांगे गए 15 दिनों की अवधि पूरी होने के बाद मैन्युअल टेंडरों की जांच रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत की जाती है या नहीं। साथ ही यह भी देखना होगा कि इस मुद्दे को उठाने वाले नगरसेवक अपनी मांग पर कितने मजबूती से कायम रहते हैं।

सड़क पर खड़े वाहनों पर ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

105 चालान, 1.12 लाख रूपये से अधिक का जुर्माना वसूला

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से उल्हासनगर यातायात उपविभाग पुलिस ने सोमवार को विशेष अभियान चलाकर सड़क किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। यह अभियान पुलिस निरीक्षक युवराज सरनोबत के मार्गदर्शन में कल्याण-बदलापुर रोड पर शांतिनगर से डर्बी चौक तक चलाया गया। अभियान के दौरान पीएसआई गोरख चौधरी, एएसआई पंढरीनाथ काले, पुलिस हवलदार नाना आव्हाड, गोरक्षनाथ दराडे, विशाल गोरले तथा प्रशांत परदेशी सहित पुलिस टीम ने सड़क किनारे दुकानों के सामने वाहन पार्किंग कर रखने वाले पुराने वाहन विक्रेताओं, दोपहिया एवं चारपहिया गैरेज संचालकों तथा कार डेकोरेटर्स के खिलाफ कार्रवाई की।

पुलिस ने पाया कि कई दुकानदारों और गैरेज संचालकों ने अपने व्यवसाय से जुड़े वाहन सार्वजनिक सड़क पर खड़े कर रखे थे। कहीं मरम्मत के लिए आए वाहन सड़क पर खड़े थे तो कहीं सजावट और एक्सेसरी फिटिंग के लिए वाहन दुकान के सामने खड़े किए गए थे। इससे कल्याण-बदलापुर रोड पर यातायात बाधित हो रहा था और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विशेष अभियान के दौरान मोटर वाहन अधिनियम की धारा 122/177 के तहत कुल 105 मामलों में कार्रवाई की गई। इन मामलों में 1 लाख 12 हजार 300 रूपये का जुर्माना वसूल किया गया। पुलिस ने सड़क पर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों को हटवाया और संबंधित वाहन मालिकों को भविष्य में नियमों का पालन करने की सख्त चेतावनी भी दी।

पुलिस निरीक्षक युवराज सरनोबत ने कहा कि कल्याण-बदलापुर रोड शहर का अत्यंत व्यस्त और महत्वपूर्ण मार्ग है। इस सड़क पर दुकानों के सामने वाहन खड़े किए जाने से यातायात प्रभावित होता है, दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है और आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है। इसलिए सड़क पर अवैध पार्किंग या व्यवसायिक गतिविधियों के लिए वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ आगे भी नियमित रूप से सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। यातायात पुलिस ने सभी वाहन विक्रेताओं, गैरेज संचालकों और कार डेकोरेशन व्यवसायियों से अपील की है कि वे अपने व्यवसाय से संबंधित वाहनों को सार्वजनिक सड़कों पर खड़ा करने के बजाय निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करें। पुलिस का कहना है कि यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और नियमों के उल्लंघन पर भविष्य में भी बिना किसी पूर्व सूचना के कार्रवाई जारी रहेगी।

फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर महिला से 22 लाख रुपये की साइबर ठगी, मामला दर्ज

अंबरनाथ (नि.स.)। फॉरेक्स ट्रेडिंग के जरिए मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 59 वर्षीय एक महिला से 22 लाख 7 हजार 678 रुपये की साइबर ठगी किए जाने का सनसनीखेज मामला अंबरनाथ में सामने आया है। इस संबंध में शिवाजीनगर पुलिस थाने में अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अंबरनाथ पूर्व में रहने वाली शामला आचारी ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, 5 सितंबर 2025 से 21 नवंबर 2025 के बीच साइबर ठगों ने शामला आचारी, उनके बेटे उमेश और बेटी मोनीशा देवी को एक ऑनलाइन लिंक भेजकर फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश करने पर भारी मुनाफा मिलने का लालच दिया। इसके बाद उन्हें 'o-drawinx-cs' नामक टेलीग्राम चैनल से जोड़ा गया और एक वेबसाइट के माध्यम से निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया।

ठगों के झांसे में आकर पीड़िता और उनके बच्चों ने विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से कुल 22,07,677.75 रुपये निवेश कर दिए। शुरुआत में उन्हें अधिक लाभ का भरोसा दिया गया, लेकिन बाद में न तो निवेश की गई रकम वापस मिली और न ही किसी प्रकार का मुनाफा मिला। इसके बाद उन्हें अपने साथ हुई साइबर ठगी का एहसास हुआ। जांच में सामने आया है कि पीड़िता के खाते से भेजी गई राशि अनुपमा यादव से जुड़े एक मोबाइल नंबर और विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर की गई। जिन बैंकों के खातों में रकम भेजी गई, उनमें बंधन बैंक, एक्सिस बैंक और यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक के खाते शामिल हैं। शिकायत के आधार पर शिवाजीनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आईटी अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक एस. डी. चौरे कर रहे हैं।

मां ने दुपट्टे से गला घोंटकर की बेटी की हत्या

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर में एक महिला द्वारा अपनी बेटी की हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना से हर कोई स्तब्ध है। जानकारी के अनुसार कैंप 2 स्थित भैयासाहेब आंबेडकर नगर इलाके से रिश्तों को झकझोर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतका का नाम अमृता गरुड़ (19) है, जो अपने परिवार के साथ भैयासाहेब आंबेडकर नगर में रहती थी। जांच में पता चला है कि अमृता का पड़ोस में रहने वाले एक युवक के साथ प्रेम संबंध था, जिसका उसकी मां आशा गरुड़ लगातार विरोध कर रही थी।

बताया जा रहा है कि रविवार देर रात करीब डेढ़ से दो बजे के बीच मां-बेटी के बीच प्रेम संबंध को लेकर जोरदार विवाद हुआ। आरोप है कि विवाद के दौरान मां ने स्कार्फ (दुपट्टे) से अमृता का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय दोनों घर के बेडरूम में मौजूद थीं। घटना की सूचना मिलते ही उल्हासनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी मां आशा गरुड़ को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे प्रेम संबंध का विरोध कारण माना जा रहा है। हालांकि, घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बहरहाल इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोग भी इस वारदात से स्तब्ध हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले से जुड़े सभी तथ्यों का खुलासा किया जाएगा।

उल्हासनगर : 'देवाभाऊ कृषि माऊली समारोह' संपन्न

उल्हासनगर (प्रे.वि.)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के जन्म दिवस पर समाज और पर्यावरण के हित में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा विभिन्न आयोजन किये जा रहे हैं. इसी कड़ी में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष चित्रा वाघ के मार्गदर्शन में, महाराष्ट्र विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित 'महिला किसान सशक्तिकरण विधेयक-2026' के जनजागरण अभियान के अंतर्गत उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र के म्हारल गांव में 'देवाभाऊ कृषि माऊली समारोह' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा जिला महिला अध्यक्षा मंगला चांडा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला किसानों को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना था।

कार्यक्रम में कृषि अधिकारी अनीता नेहे ने महिलाओं को आधुनिक खेती, जैविक कृषि, उपजाऊ मिट्टी के संरक्षण तथा मुख्य फसल के साथ सब्जियों की खेती कर अतिरिक्त आय अर्जित करने के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैविक खेती से उगाई गई सब्जियां स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ महिलाओं की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बना सकती हैं। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं को भगवान विठ्ठल एवं माता रुक्मिणी के आदर्श का स्मरण कराते हुए संदेश दिया गया कि जिस प्रकार माता रुक्मिणी ने भगवान विठ्ठल का हर परिस्थिति में साथ निभाया, उसी प्रकार महिलाएं भी खेती-किसानी में अपने परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहें और कृषि को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला किसानों ने भाग लिया। इस दौरान 100 महिला किसानों को कृषि किट वितरित कर पारंपरिक रूप से उनकी ओटी भरकर सम्मानित किया गया। उपस्थित महिलाओं ने अपने लाड़के देवाभाऊ को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद भी दिए। इस अवसर पर संयोजिका लता पगारे, म्हारल अध्यक्ष योगेश देशमुख, प्रमोद देशमुख, प्रदीप रामचंदानी, स्नेहा चुघ, सुरेखा पारधी सहित सभी मंडलों की महिला अध्यक्ष रत्ना चौहान, शुभांगी बहनवाल, सुनीता माली, गीता नागरे, मनीषा नागरे तथा सोशल मीडिया प्रमुख सुनीता झा सहित भाजपा महिला मोर्चा की अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन महिला सशक्तिकरण, जैविक खेती के प्रसार तथा आत्मनिर्भर किसान परिवारों के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

बॉक्सर रूल्स उल्हासनगर का राजा का भव्य पाद्य-पूजन समारोह आज

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर शहर के सबसे पुराने एवं प्रतिष्ठित गणेश मंडलों में से एक बॉक्सर रूल्स उल्हासनगर का राजा का भव्य पाद्य (श्रीचरण)-पूजन समारोह आज मंगलवार, 28 जुलाई को शाम 4 बजे से बॉक्सर रूल्स कार्यालय, सोनारा हॉल के पास, उल्हासनगर-1 में आयोजित किया जाएगा। ऐसी जानकारी मंडल के अध्यक्ष गुरदीप सिंह (बॉक्सर) ने दी। मंडल की ओर से आयोजित होने वाला यह पद्यपूजन समारोह हर वर्ष श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर उल्हासनगर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित होकर गणराय के चरणों का पूजन करते हैं तथा आगामी गणेशोत्सव के स्वागत का शुभारंभ करते हैं। बॉक्सर रूल्स उल्हासनगर का राजा का आगमन समारोह और पद्यपूजन शहर के सबसे बहुप्रतीक्षित इवेंट्स में गिने जाते हैं। हर वर्ष आयोजित होने वाले इस आयोजन में भक्तों का जनसैलाब उमड़ता है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो जाता है। मंडल ने सभी गणेश भक्तों से पद्यपूजन समारोह में उपस्थित होकर गणराय का आशीर्वाद प्राप्त करने और इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनने की अपील की है।

कल्याण में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी पर शराबी युवक का हमला, पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद

कल्याण (नि.स.)। कल्याण पश्चिम स्थित गौरीपाड़ा इलाके में शराब के नशे में धुत एक युवक द्वारा ड्यूटी पर पहुंचे पुलिसकर्मी पर हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह घटना इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना के बाद पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कल्याण पश्चिम के गौरीपाड़ा क्षेत्र में राहुल तायडे नाम का युवक शराब के नशे में लोगों के घरों के बाहर खड़े होकर हंगामा और अभद्र व्यवहार कर रहा था। उसकी हरकतों से परेशान स्थानीय नागरिकों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही खड़कपाड़ा पुलिस थाने में तैनात पुलिसकर्मी गणेश चव्हाण मौके पर पहुंचे।

पुलिसकर्मी द्वारा युवक को समझाने और स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया गया, लेकिन आरोपी ने उनके साथ बहस शुरू कर दी। देखते ही देखते उसने लाठी से हमला कर पुलिसकर्मी के साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद खड़कपाड़ा पुलिस ने आरोपी राहुल तायडे के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस बीच, घटना का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिसकर्मी ही इस तरह के हमलों का शिकार हो रहे हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा होना स्वाभाविक है।

अंबरनाथ में क्रूरता की हद : 12वीं मंजिल से बिल्ली को नीचे फेंका, मासूम बेजुबान की दर्दनाक मौत

अंबरनाथ (नि.स.)। अंबरनाथ पूर्व के पालेगांव इलाके की 'रॉयल फ्लोरा' हाउसिंग सोसायटी में बेजुबान जानवर के साथ क्रूरता की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आरोप है कि सोसायटी की 12वीं मंजिल से एक व्यक्ति ने खिड़की के पास खेल रही एक मासूम बिल्ली को नीचे धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल है और पशु प्रेमियों ने दोषी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, मृत बिल्ली पिछले तीन वर्षों से रॉयल फ्लोरा सोसायटी परिसर में रह रही थी। उसका स्वभाव बेहद शांत था और सोसायटी के कई निवासी उसकी देखभाल करते थे। वह वहां रहने वाले लोगों की चहेती बन चुकी थी।

रविवार शाम वह एक खिड़की के पास खेल रही थी। इसी दौरान बालकनी में मौजूद एक व्यक्ति ने उसे 12वीं मंजिल से नीचे धक्का दे दिया। ऊंचाई से गिरने के कारण बिल्ली की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद लोगों में भारी नाराजगी फैल गई है। पशु प्रेमियों का आरोप है कि फुटेज में पूरी घटना कैद हुई है, जिसके आधार पर आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ तत्काल मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि किसी भी निर्दोष और बेजुबान जीव के साथ इस तरह की अमानवीय हरकत समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में पशु प्रेमी और स्थानीय नागरिक एकत्र हुए तथा आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि यदि ऐसे मामलों में कठोर कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में इस तरह की घटनाएं बढ़ सकती हैं। वहीं, स्थानीय नागरिकों ने पुलिस से मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच कर आरोपी के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम सहित अन्य लागू कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाए और उसे कड़ी सजा दिलाई जाए।

संपादकीय

अनंतनाग हमला- क्या आतंकवाद की धमक कायम है?

राज्य में अनंतनाग के लाल चौक इलाके में बुधवार को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों पर आतंकवादियों ने अचानक गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। इस घटना से स्पष्ट है कि आज भी राज्य में आतंकवाद की धमक कायम है।जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को समूल नष्ट करने का अभियान वर्षों से चलाया जा रहा है। मगर वहां अक्सर हो रहे आतंकी हमले सरकार के इस दावे को कमजोर साबित करते हैं कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद घाटी में पहले से कहीं अधिक शांति और विकास का माहौल बन गया है। जबकि आतंकवादी आज भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे।राज्य में अनंतनाग के लाल चौक इलाके में बुधवार को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों पर आतंकवादियों ने अचानक गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। इस घटना से स्पष्ट है कि आज भी राज्य में आतंकवाद की धमक कायम है।इससे पहले भी आतंकी हमलों में सेना और पुलिस के जवानों के शहीद होने की घटनाएं होती रही हैं। ऐसी हर घटना के बाद सरकार यह आश्वासन देती है कि आतंकवाद के खात्मे के लिए हर स्तर पर सख्ती बरती जाएगी। मगर कुछ समय के अंतराल पर फिर किसी आतंकी हमले में जवानों की शहादत की घटना सरकारी कवायदों की सच्चाई का बयान करती है।अमूमन हर आतंकवादी हमले के बाद इलाके की घेराबंदी की जाती है, अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों की शांति के बाद फिर किसी जगह आतंकी हमले की खबर आ जाती है। कहने को पहले की तुलना में आतंकवादी हिंसा और सीमापार से घुसपैठ में कमी आई है। मगर सच यह भी है कि आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने और कई स्तरों पर सख्ती बरते जाने के बाद आतंकी अब घात लगाकर छोटे हमले करने लगे हैं। यह सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर राज्य में भय का वातावरण बनाए रखने की कोशिश है।जाहिर है, आतंकी संगठनों की रणनीति में बदलाव आया है। इसी के मुताबिक भारतीय सुरक्षा बलों को भी इसका सामना करने के लिए नए तौर-तरीकों को प्राथमिकता देने की जरूरत है।

इसके अलावा, सीमापार स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों के खिलाफ न केवल देश के भीतर मोर्चाबंदी की जरूरत है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर आम राय बनाने और आतंकवादियों को शह देने वाले देशों को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश भी होनी चाहिए।

संपादक,टीकम लालवानी

आखिर कैसे थमेगा अमेरिका-ईरान युद्ध ? कबतक राहत पाएगी दुनिया ?

यदि गौर किया जाए तो जहां अमेरिका की नीतियाँ मुख्यतः राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय रणनीति और परमाणु प्रसार को रोकने के तर्कों पर आधारित बताई जाती हैं, तो वहीं ईरान की राजनीतिक व्यवस्था में धार्मिक नेतृत्व की केंद्रीय भूमिका है, इसलिए उसके कुछ निर्णयों में धार्मिक विचारधारा का प्रभाव दिखाई देता है। अमेरिका-ईरान संघर्ष केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता नहीं है। इसमें धार्मिक पहचान, वैचारिक टकराव, क्षेत्रीय वर्चस्व, सुरक्षा हित और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे अनेक आयाम जुड़े हुए हैं। इसलिए कई लोगों की दृष्टि में यह केवल दो देशों का विवाद नहीं, बल्कि प्रभाव और विचारधाराओं के टकराव का भी संघर्ष है। इसलिए दुनियावी लोगों के जेहन में सिर्फ एक सवाल सुलग रहा है कि आखिर कैसे थमेगा अमेरिका-ईरान युद्ध? और इसकी विकरालता से कबतक राहत पाएगी दुनिया? अमेरिका-ईरान संघर्ष अत्यंत जटिल और बार-बार उभरने वाला संकट क्यों बन चुका है? आखिर इस युद्ध में तो नागरिक ढांचे भी सुरक्षित क्यों नहीं बचे?

(कमलेश पांडे)

प्रथमदृष्ट्या जहां कुछ अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषक अमेरिका-ईरान संघर्ष को धार्मिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक तत्वों का मिश्रण मानते हैं। वहीं अन्य विश्लेषक इसे मुख्यतः राष्ट्रीय सुरक्षा, परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव और शक्ति-संतुलन का संघर्ष मानते हैं। इसलिए अमेरिकाङ्कईरान संघर्ष को केवल धर्मयुद्ध समझना इसकी जटिलता को कम करके देखना होगा। वास्तव में यह धर्म, विचारधारा, क्षेत्रीय वर्चस्व, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शक्ति-संतुलन–इन सभी का मिला-जुला संघर्ष है। यदि गौर किया जाए तो जहां अमेरिका की नीतियाँ मुख्यतः राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय रणनीति और परमाणु प्रसार को रोकने के तर्कों पर आधारित बताई जाती हैं, तो वहीं ईरान की राजनीतिक व्यवस्था में धार्मिक नेतृत्व की केंद्रीय भूमिका है, इसलिए उसके कुछ निर्णयों में धार्मिक विचारधारा का प्रभाव दिखाई देता है। लेकिन दोनों पक्षों के निर्णयों में आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक हित भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

जानकारों का कहना है कि अमेरिका-ईरान युद्ध तभी थमेगा, जब दोनों पक्ष यह समझ लें कि सैन्य जीत की कीमत राजनीतिक जीत से कहीं अधिक है। मौजूदा परिस्थितियों में युद्ध का स्थायी समाधान केवल कूटनीति, सुरक्षा गारंटी और चरणबद्ध समझौते से ही संभव दिखता है। हाल के दिनों में कई मध्यस्थ देशों ने 10-दिवसीय युद्धविराम और वार्ता का प्रस्ताव रखा है, लेकिन अभी तक दोनों पक्षों ने उस पर अंतिम सहमति नहीं दी है।

हमारी राय में युद्ध रोकने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम होंगे- तत्काल और सत्यापित युद्धविराम, ओमान, कतर, पाकिस्तान या अन्य स्वीकार्य मध्यस्थों की मौजूदगी में प्रत्यक्ष या परोक्ष वार्ता, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर पारदर्शी निगरानी और बदले में चरणबद्ध प्रतिबंधों में राहत, होरमुज़ जलडमरूमध्य में सुरक्षित समुद्री आवागमन की गारंटी, ताकि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति सामान्य हो सके और दोनों पक्षों द्वारा क्षेत्रीय सहयोगी समूहों के माध्यम से संघर्ष को और न बढ़ाने की प्रतिबद्धता।

यदि युद्ध थमता है, तो दुनिया को कई मोर्चों पर राहत मिल सकती है- कच्चे तेल और गैस की कीमतों में स्थिरता आएगी, महंगाई और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव कम होगा, मध्य पूर्व में व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का खतरा घटेगा, भारत सहित ऊर्जा आयातक देशों को आर्थिक राहत मिलेगी, वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता कम होगी। हालांकि सबसे बड़ी चुनौती भरोसे की कमी है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पूर्व समझौतों के उल्लंघन का आरोप लगाते रहे हैं, इसलिए केवल युद्धविराम पर्याप्त नहीं होगा; उसके साथ ऐसा तंत्र भी चाहिए जो समझौते के पालन की स्वतंत्र निगरानी कर सके। हाल की घटनाओं से भी संकेत मिलता है कि युद्धविराम की कोशिशें बार-बार हिंसा बढ़ने से पटरी से उतर जाती हैं। वस्तुतः अमेरिका-ईरान युद्ध का समाधान रणभूमि में नहीं, बल्कि वार्ता की मेज पर है। यदि दोनों पक्ष अपने अधिकतम राजनीतिक लक्ष्य छोड़कर न्यूनतम साझा हित–क्षेत्रीय स्थिरता, सुरक्षित समुद्री मार्ग और परमाणु जोखिम में कमी–पर सहमत होते हैं, तभी दुनिया को स्थायी राहत मिल सकेगी।

संघर्ष अत्यंत जटिल और बार-बार उभरने वाला संकट : अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान संघर्ष अत्यंत जटिल और बार-बार उभरने वाला संकट है। इसके लंबे समय तक बने रहने के प्रमुख कारण हैं- दोनों देशों के बीच दशकों पुराना अविश्वास, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद, मध्य पूर्व में क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा, आर्थिक प्रतिबंध, प्रतिरोधी कार्रवाइयाँ और प्रतिनिधि समूहों की भूमिका और घरेलू राजनीति, जो कई बार समझौते को कठिन बना देती है।

फिर भी इतिहास बताता है कि लंबे और कटु संघर्ष भी अंततः बातचीत से समाप्त हुए हैं। अमेरिका और वियतनाम, अमेरिका और चीन, तथा शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और सोवियत संघ के संबंध समय के साथ बदले। इसलिए यह कहना कि यह संघर्ष कभी समाप्त नहीं हो सकता, उचित नहीं होगा। यदि दोनों पक्ष प्रत्यक्ष या परोक्ष संवाद बहाल करें, परमाणु मुद्दे पर सत्यापन योग्य समझौता करें, क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर सहमत हों, और बाहरी मध्यस्थों की भूमिका स्वीकार करें, तो तनाव में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

वास्तव में, अमेरिका-ईरान संघर्ष को पुरानी और बार-बार भड़कने वाली बीमारी कहना उचित है–जिसका इलाज कठिन है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध अंततः स्थायी समाधान नहीं देता; टिकाऊ समाधान कूटनीति, विश्वास-निर्माण और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान से ही निकलता है।

आखिर इस युद्ध में तो नागरिक ढांचे भी सुरक्षित क्यों नहीं बचे?: इस युद्ध का सबसे गंभीर और चिंताजनक पहलू यह है कि नागरिक ढांचे भी सुरक्षित नहीं बचे। कमोबेश दोनों पक्षों की ओर से गलतियां हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुसार अस्पताल, स्कूल, आवासीय क्षेत्र, बिजली, पानी और अन्य नागरिक ढांचे सामान्यतः संरक्षित होते हैं। लिहाजा किसी भी पक्ष को केवल सैन्य लक्ष्यों पर हमला करना चाहिए और नागरिकों को होने वाली क्षति को न्यूनतम रखने का दायित्व होता है। यदि किसी संघर्ष में नागरिक ढांचे पर हमले होते हैं, तो तीन महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्न उठते हैं- क्या वह वास्तव में सैन्य लक्ष्य था? क्या हमले में अनुपातिकता का पालन किया गया? क्या नागरिकों को बचाने के लिए सभी संभव सावधानियां बरती गईं? हालिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि इस संघर्ष में पुलों, ऊर्जा ढांचे तथा अन्य नागरिक सुविधाओं को भी नुकसान पहुँचा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। वहीं कुछ मानवाधिकार संगठनों और विधि विशेषज्ञों ने स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और आवासीय क्षेत्रों पर हमलों की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

इसी तरह, यदि ईरान द्वारा भी नागरिक क्षेत्रों, ऊर्जा या जल संयंत्रों अथवा अन्य असैन्य ढांचों को निशाना बनाया गया हो, तो वह भी अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन माना जा सकता है। युद्ध के नियम दोनों पक्षों पर समान रूप से लागू होते हैं। इसलिए, नागरिक ढांचे का सुरक्षित न रहना किसी भी पक्ष के लिए स्वतः उचित नहीं ठहराया जा सकता। प्रत्येक कथित हमले की स्वतंत्र जांच आवश्यक होती है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि कहीं युद्ध अपराध या अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन तो नहीं हुआ।

क्या अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार ऐसे किसी भी युद्ध को स्वतः 'जायज' नहीं माना जा सकता?: यदि अमेरिका यह दावा करे कि उसने अपने ऊपर हुए आसन्न हमले को रोकने के लिए आत्मरक्षा में कार्रवाई की, या संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत वैध आत्मरक्षा का अधिकार प्रयोग किया, तो वह युद्ध को कानूनी और नैतिक रूप से उचित ठहराने का प्रयास कर सकता है। दूसरी ओर, अनेक अंतरराष्ट्रीय विधि विशेषज्ञों का मत है कि यदि किसी सैन्य कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनुमति न मिली हो, और तत्काल आत्मरक्षा की शर्तें स्पष्ट रूप से पूरी न होती हों, तो ऐसी कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर के विरुद्ध मानी जा सकती है। 2026 के संघर्ष के संदर्भ में 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कानून विशेषज्ञों ने अमेरिकी हमलों की वैधता पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं।

साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि यदि ईरान जानबूझकर नागरिकों, तटस्थ देशों या असैन्य ढांचों पर हमला करता है, तो वह भी अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन हो सकता है। युद्ध में दोनों पक्षों पर नागरिकों की सुरक्षा और युद्ध संबंधी नियमों का पालन करना अनिवार्य होता है। अलबत्ता अमेरिका-ईरान युद्ध को बिना शर्त 'जायज' या 'नाजायज' कहना उचित नहीं होगा। इसकी वैधता इस बात पर निर्भर करती है कि क्या आत्मरक्षा की कानूनी शर्तें वास्तव में पूरी हुई थीं? क्या संयुक्त राष्ट्र चार्टर का पालन किया गया? क्या युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान किया गया? इसी कारण इस संघर्ष की वैधता आज भी अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीति के विशेषज्ञों के बीच गहन बहस का विषय बनी हुई है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अध्यात्म

सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास और कर्म करने से मिलती है

हर व्यक्ति सफल होना चाहता है, लेकिन अक्सर काम शुरू करने से पहले ही उसके मन में सवाल उठने लगते हैं कि क्या मैं सफल हो पाऊंगा? लक्ष्य पूरा होगा या नहीं? यही चिंता कई बार व्यक्ति की क्षमता को कमजोर कर देती है। महाभारत का एक प्रसंग बताता है कि सफलता का रहस्य परिणाम की चिंता में नहीं, बल्कि पूरे मन से कर्म करने में छिपा है। दुर्योधन चाहता था कि किसी भी तरह पांडवों का अंत हो जाए। इसी उद्देश्य से उसने लाक्षागृह का षड्यंत्र रचा, लेकिन विदुर की सूझबूझ से पांचों पांडव और कुंती इस संकट से बच निकले। अपनी पहचान छिपाने के लिए वे ब्राह्मणों का वेश धारण कर वन में रहने लगे। इसी दौरान पंचाल नरेश द्रुपद ने अपनी पुत्री द्रौपदी के स्वयंवर का आयोजन किया। देश-विदेश के अनेक राजा और योद्धा वहां पहुंचे। स्वयंवर की शर्त बेहद कठिन थी। प्रतियोगी को नीचे रखे पानी में प्रतिबिंब देखकर ऊपर घूम रही मछली की आंख पर निशाना लगाना था। जो इस परीक्षा में सफल होता, वही द्रौपदी का वरण करता। ब्राह्मण वेश में पहुंचे अर्जुन भी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आगे बढ़े। वहां श्रीकृष्ण भी उपस्थित थे उन्होंने अर्जुन को एकाग्रता, धैर्य और लक्ष्य साधने की पूरी विधि समझाई। अर्जुन ने मुस्कुराकर पूछा, 'यदि सब कुछ मुझे ही करना है, तो फिर आपकी क्या आवश्यकता है? ' श्रीकृष्ण ने शांत स्वर में उत्तर दिया, 'तुम्हारा काम अपना श्रेष्ठ प्रयास करना है। जो तुम्हारे वश में है, उसे पूरी निष्ठा से करो। जो तुम्हारे नियंत्रण से बाहर है, उसकी चिंता मुझ पर छोड़ दो। मैं हिलते हुए पानी को स्थिर कर दूंगा, ताकि तुम्हारा ध्यान केवल लक्ष्य पर रहे। ' अर्जुन ने श्रीकृष्ण की बात को स्वीकार किया। उन्होंने परिणाम की चिंता छोड़कर अपना पूरा ध्यान केवल लक्ष्य पर केंद्रित किया। एकाग्रता और आत्मविश्वास के साथ उन्होंने धनुष उठाया और मछली की आंख पर सटीक निशाना लगा दिया। इस प्रकार वे स्वयंवर की कठिन परीक्षा में विजयी हुए। यह प्रसंग बताता है कि सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि सही सोच, निरंतर प्रयास और परिणाम की चिंता छोड़कर कर्म करने से मिलती है। जब व्यक्ति अपना सर्वश्रेष्ठ देता है, तब परिस्थितियां भी उसके पक्ष में बनने लगती हैं। इसलिए जीवन में हर कार्य पूरे समर्पण और ईमानदारी से करें, क्योंकि श्रेष्ठ कर्म ही अंततः श्रेष्ठ परिणाम का मार्ग बनाते हैं।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

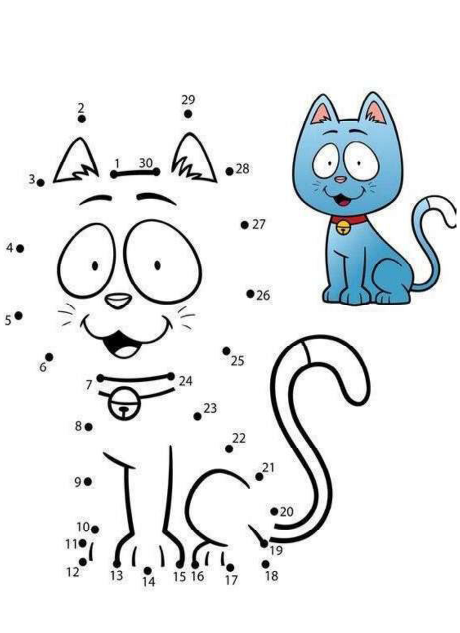

वर्ग पहेली 5935

1	2		3	4		5	
6			7			8	
9		10		11	12		
				13			14
15	16		17		18	19	
20					21		
22		23			24		
	25			26			

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत के छठे प्रधानमंत्री जो स्वाधीनता के सेनानी थे इनका निधन 10 अप्रैल 1995 को हुआ था (7)
6. किसी भी पक्ष की तीसरी तिथि (2)
7. तेरा या तेरी (संस्कृत) (2)
8. कंध, जुलाहे की कूंची, स्कंध (2)
9. भर्त्सना, धिक्कार, तिरस्कार (3)
11. मेघ विद्युत, ऐरावती, तड़िता (3)
13. सिलवट, शिकन, सिकुड़न (2)
15. प्रसिद्धि, शोहरत, ख्याति (2)
18. भाग्य, तकदीर (3)
20. समाधान, निष्पत्ति, निराकरण (3)
21. चुभना, रह-रहकर पीड़ा उठना (3)
22. रूपवान, सुंदर रूप वाल (4)
24. यह शब्द क्रिकेट से संबंधित है (2)
25. लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा (2)
26. शास्त्रीय संगीत में पंचम स्वर (1)

ऊपर से नीचे

1. हमारे प्रथम प्रधानमंत्री के पिता (7)
2. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
3. यह करिश्मा कपूर की अभिनेत्री मां बबीता की अंतिम फिल्म थी, फतह (2)
4. यह शतरचंद्र चटर्जी की प्रसिद्ध कृति है (4)
5. मां दुर्गा को यह भी कहते है (3)
10. सद्गति प्राप्त करना, भवसागर से पार उतरना (3)
12. सबसे प्रेमपूर्वक मिलने-जुलने वाला (5)
14. अत्याचार सहना, नतोदर होना (3)
16. विलाप करना, कल्पना करना (4)
17. सख्याओं का जोड़फल, परिकलन (3)
19. आर्द्रता, नमीपन (3)
23. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादू भोजन (2)

वर्ग पहेली 5934 का हल

ई	रा	न		श	ह	द	
श्व	स	न		ऊ	र्जा	वा	न
र		सा	हि	र		खा	द
आ	तु	र	ता		घ	ना	
ज्ञा	त		हि	सा	ब		ब
	ला	ग	त		रा	ज	द
ज	ना	ब			ह	या	त
न		न	ट	ख	ट		र

रास्ता खोजो...

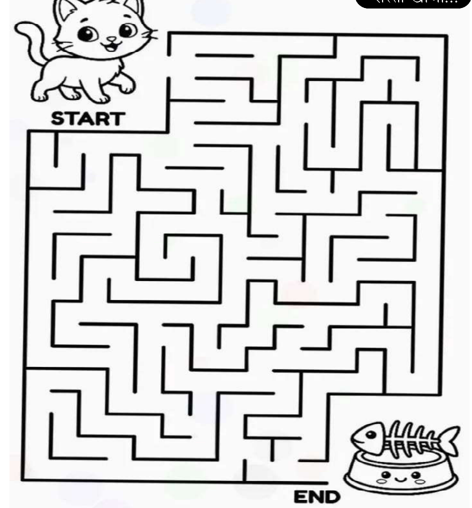

Konark
Enterprises Pvt. Ltd.
Reliance
AUTHORISED DEALER
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

रोज नहीं खाएं अण्डे

अगर आप रोजाना अंडे खा रहे हैं तो इनको खाना छोड़ दीजिए। नए शोध में पता चला है कि जो रोज अंडे खाते हैं वह बीमार जल्द पड़ते हैं। अंडे का सेवन डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए।

क्या यह सच है कि अगर सेहत बनानी हो तो रोज अंडे पेट में उतार लिया करो। जबकि सच्चाई यह है कि ऐसा करना आ बैल मुझे मार जैसी बात कहना है, क्योंकि बिना डॉक्टर से पूछे किसी को भी अंडे खाने ही नहीं चाहिए। खासकर, शुगर, हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट के पेशेंट्स और मोटापे वालों को तो अंडों से दूर ही रहना चाहिए, क्योंकि अंडे उनके रोग को और बढ़ा सकते हैं।

सेहत के लिए ठीक नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि इस बारे में 1999 में जर्नल ऑफ मेडिकल एसोसिएशन में बॉस्टन के हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के न्यूट्रीशन विभाग के डॉ. हू. एफ बी एंड ग्रुप की रिपोर्ट में कहा गया था कि बीपी, हार्ट, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए अंडा खाना ठीक नहीं है, जबकि अभी तक इस बारे में एक भी भारतीय रिपोर्ट सामने नहीं आई कि रोज अंडे खाने से सेहत बनती है या आप स्वस्थ रहोगे। जबकि सबसे ज्यादा शुगर, बीपी आदि के मरीज भारत में ही हैं। इसलिए रोज अंडे खाना किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

ज्यादा प्रोटीन खतरनाक

हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि एक अंडे में 213 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है यानी आठ से नौ चम्मच मक्खन के बराबर, क्योंकि एक चम्मच मक्खन में 25 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। इसलिए सिर्फ शुगर, हाई बीपी और हार्ट पेशेंट्स को ही इन्हें दूर से सलाम नहीं करना चाहिए, बल्कि सामान्य सेहत वाले लोगों को भी अगर डॉक्टर प्रोटीन की जरूरत बताये, तभी खाना चाहिए।

विज्ञापनों में प्रचार गलत

प्रिवेंटिव हेल्थ कनसल्टेंट का कहना है कि रोज अंडे खाने की बात भ्रामक है। ऐसे विज्ञापनों से लगता है सेहत के लिए अंडा ही सब कुछ है बाकी चीजें नहीं। अंडे से बहुत ज्यादा फैट व चिकनाई मिलती है, जो कोलेस्ट्रॉल, दिल के दौरे, हाई बीपी और शुगर की तरफ धकेल सकता है। आजकल हर आदमी पूरी तरह स्वस्थ नहीं है, इसलिए डॉक्टर से पूछ कर ही अंडे लें।

ज्यादा कैलोरीज की जरूरत नहीं

अंडे में जितनी हाई कैलोरीज व कार्बोहाइड्रेट होती है, उतनी शरीर को जरूरत नहीं होती। अंडे को दवाई भी नहीं माना जा सकता। जितनी एनर्जी यह देता है, इससे तो शरीर को नुकसान ही होगा। अंडे से शरीर का अननेचरल विकास होने से शरीर अधिक बेडौल हो सकता है। किडनी व हार्ट के लिए तो नुकसानदायक है ही। अंडे से कार्य करने की क्षमता सिर्फ क्षणिक तौर पर बढ़ी हुई लगती है, पर स्टेमिना नहीं बढ़ता। फार्मिंग से आए अंडे तो केमिकल की वजह से ज्यादा दूषित या जहरीले हो जाते हैं। गर्मियों में पाचन वीक होता है। ऐसे में सामान्य तौर पर ज्यादा कैलोरी व गरिष्ठ होने के कारण अंडे और ज्यादा नुकसानदायक हैं।

एक अंडे में प्रोटीन

कैलोरीज - 78 एमजी
कोल- 78 एमजी
सोडियम - 62 एमजी
(इससे बीपी व हार्टबीट बढ़ सकती है)
फैट- 5.3 ग्राम
प्रोटीन- 6 ग्राम
फ्राइड किए जाने पर अंडे में कैलोरीज-100 और बढ़ जाती है।

दालों में भरपूर प्रोटीन

विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोटीन के लिए तो सभी तरह की दालें, पनीर व दूध से बनी चीजें अंडे का विकल्प होती हैं। अंडों की जगह उनका इस्तेमाल करें। दूध या स्किम्ड मिल्क, मूंगफली, ड्राई फ्रूट में अखरोट, बादाम, काजू व हरी सब्जियां, दही, सलाद और फल भी ले सकते हैं। जीव-जंतुओं से प्राप्त भोजन से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि पेड़-पौधों से मिलने वाले भोजन से नहीं बढ़ता।

कौन खा सकता है अंडे

डॉक्टरों का कहना है कि बिना जरूरत के अंडे खाना लकवे, नपुंसकता, पैरों में दर्द, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, मोटापे और हार्ट की आर्टरीज में ब्लॉकेज को न्यौतना है। नॉर्मल लोग भी खाएं तो हर छह महीने पर कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। हां, जिसको हाई प्रोटीन डाइट की जरूरत हो वे अंडा ले सकते हैं, पर वह भी तब, जब वे पहले से अंडा खाते आ रहे हों। कम वजन वालों, बीमारी के बाद बहुत कमजोर हो गए और टीबी के मरीजों को प्रोटीन की जरूरत होती है, उन्हें खाने के लिए बताया जा सकता है। आम स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी डॉक्टर की राय से ही एक अंडा रोज खा सकते हैं।

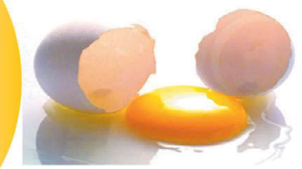

आम आदमी रोज अंडा नहीं खाएं

वैसे, आम आदमी को अंडा नहीं खाना चाहिए, क्योंकि एक प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दो प्रतिशत हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है। शुगर या मधुमेह, हाई बीपी, हार्ट पेशेंट्स, मोटापे से पीड़ित और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों को डॉक्टर ही जांच के बाद बता सकता है कि उनके शरीर को अंडों की जरूरत है या नहीं।

अंडे में अमीनो एसिड अधिक

अंडे में सेलीनियम, बीटा केरोटीन और लेसिथिन जैसे अमीनो एसिड होते हैं, जो एंटी ऑक्सीडेंट का काम करते हैं। हार्ट को प्रोटेक्ट करने के लिए अच्छे हैं, परन्तु एक तो अंडे से मिलने वाले कोलेस्ट्रॉल के मुकाबले में ये एसिड इतने कम होते है कि हार्ट को ज्यादा सुरक्षा दे नहीं पाते, दूसरे ये तभी काम कर पाते हैं, जबकि व्यक्ति में कोलेस्ट्रॉल और बाकी लेवल नॉर्मल हों।

बढ़ जाता है यूरिक एसिड

पालक, पनीर, मीट, मटर व दालों आदि प्रोटीन के सभी स्रोतों में यूरिक एसिड ज्यादा होता है। अगर डॉक्टर कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड लेवल सही घोषित करके बताये कि आपको प्रोटीन की जरूरत है, तभी अंडे लें वरना कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड के अंदर ही अंदर बढ़ने का पता भी नहीं चलेगा। ऐसा तो नहीं है कि एक व्यक्ति दिन में सिर्फ एक अंडा ही खाएगा। उसके भोजन में और चीजें भी शामिल होंगी, उनसे भी कैलोरीज व कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ेगा।

सफेद भाग खाना अच्छा

अंडे का सफेद भाग ही खाना ठीक है, क्योंकि उसमें प्रोटीन होता है। एक अंडे में 80 कैलोरीज होती हैं, 50 पीले हिस्से में और 30 सफेद में। 40 से ज्यादा उम्र के लोग अंडे का पीला हिस्सा या योक न खाएं, क्योंकि उसी में कैलोरीज, फैट व कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सेहत की समस्याएं हो सकती हैं, जबकि सफेद हिस्से में प्रोटीन ही होता है।

फ्रेंचबीन से फटाफट सेहत

बीन्स एक ऐसी सब्ज़ी है जो कि अमेरिकन, मेक्सिकन, चाईनीज़, जापानी, उत्तरी व दक्षिणी भारतीय, यूरोपियन आदि तरह के भोजन में सामान्यतः मिलती है। आप सलाद लें या स्टारटर्स, सूप से लेकर बर्गर टिक्की तक हर जगह बीन्स (फलियां) किसी न किसी रूप में आपको नजर आ जाएंगी।

सूखी व हरी दोनों ही प्रकार की बीन्स भोजन का एक आवश्यक व पौष्टिक हिस्सा हैं। बीन्स बीमारी को ठीक करने के बहुत काम आती है। बीन्स की हरी पौध सब्जी के रूप में खाई जाती है तथा सुखाकर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। अमेरिका तथा अफ्रीका के कुछ भाग में तो बीन्स को प्रोटीन का मुख्य स्रोत माना जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यतः पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं।

कोशिकाओं के लिए फायदेमंद

राइबोफ्लेविन को विटामिन बी-2 के नाम से यादा जाना जाता है, विटामिन बी-2 शरीर की कोशिकीय प्रक्रियाओं के लिए बहुत ही आवश्यक घटक है। बीन्स विटामिन बी-2 का मुख्य स्रोत होते हैं। प्रति सौ ग्राम फ्रेंच बीन्स से तकरीबन 26 कैलोरी मिलती है। राजमा में यही सब ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इसलिए प्रति सौ ग्राम राजमा से 347 कैलोरी मिलती है। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं।

ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज खाने से रक्त में कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

शकर का स्तर नहीं बढ़ता

बीन्स का ग्लाइसेमिक इन्डेक्स कम होता है इसका अभिप्राय यह है कि जिस तरह से अन्य भोज्य पदार्थों से रक्त में शकर का स्तर बढ़ जाता है, बीन्स खाने के बाद ऐसा नहीं होता। बीन्स में मौजूद फाइबर रक्त में शकर का स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। और बीन्स की इस खासियत की वजह से मधुमेह के रोगियों को बीन्स खाने की सलाह देते हैं।

किडनी में लाभकारी

किडनी में पथरी के लिए 60 ग्राम बीन्स की पौध लेकर इसे चार लीटर पानी में चार घंटे तक उबाल लें। फिर इसके पानी को कपड़े से छान लें और छने हुए पानी को करीब आठ घंटे तक ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे फिर से छान लें। दिन में दो-दो घंटे से पीयें। लाभ होगा।

मौसम करे बीमार रसोई करे उपचार

बीते दिनों मौसम में काफी बदलाव देखने को मिला। आंधी, बारिश और हल्की ठंडक ने हमारी दिनचर्या के साथ सेहत को भी खराब किया। किसी का गला बैठ गया तो किसी को जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। क्या आप जानते हैं कि ऐसी छोटी-मोटी मौसमी शिकायतों के समाधान आपकी रसोई में मौजूद हैं। जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उल्टी की शिकायत महसूस हो तो आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उल्टी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा सौंफ भी आपको इन बीमारियों से निजात दिला सकती है।

सौंफ से फायदा

एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए भी बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। सौंफ के साथ अजवाइन भी आराम पहुंचाती है।

अजवाइन

गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी इस बीमारी में आराम मिलता है।

नमक

अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है।

शहद

अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा। अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं। ठंड महसूस नहीं होगी।

ये आहार नहीं बढ़ने देंगे आपका वजन

संतुलित वजन यानी स्वस्थ शरीर। इसलिए वजन कम रखने की चाहत हर किसी की होती है। कुछ लोग डायटिंग और एक्सइरसाइज की मदद से अपना वजन तो कम करते हैं, लेकिन कुछ दिन बाद उनका वही पुराना हाल हो जाता है। कम हुआ वजन दोबारा से न बढ़ें इसके लिए जरूरी है संतुलित आहार और सही जानकारी।

वजन घटाने वाले आहारआपको यह जानकारी होनी चाहिए कि किस प्रकार का आहार आपके कम हुए वजन को बरकरार रखने में मददगार साबित होगा। यदि आप भी वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो सबसे पहले रेस्टोरेंट आदि के खाने से बचना चाहिए। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं अपनी डायट में शामिल करने वाले ऐसे आहारों के बारे में जिनसे शरीर को प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा तो मिलेगी ही और आपका वजन भी नियंत्रित रहेगा।

अंडा

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होती है। इसका सेवन आपको लंबे समय तक भोजन की जरूरत से दूर रखता है। अंडा खाने से ब्लड शुगर होने का खतरा भी कम रहता है। ब्लड शुगर वाले रोगियों को खाने की तीव्र इच्छा होती है। सामान्य से अधिक वजन वाली 30 महिलाओं पर किए गए अध्ययन से साफ हो चुका है नाश्ते में कोर्नफ्लैक्स खाने वाली महिलाओं के मुकाबले अंडा खाने वाली महिलाओं ने अगले 36 घंटे तक भोजन का कम मात्रा में सेवन किया। अंडे का सेवन आपको लंबे समय तक भूख से राहत देता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी का सेवन वजन कम करने वाले तरल पदार्थ के रूप में किया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण ग्रीन टी वसा को तेजी के साथ कम करने में मदद करती हैं। यह बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को सही रखने के साथ ही एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम रखती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल या बेड कोलेस्ट्रॉल की मौजूदगी से शरीर का वजन बढ़ता है।

सलाद

लंच के साथ सलाद खाने से कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक सलाद के सेवन से आपको भूख कम लगती है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फोलिक एसिड और लाइकोपीन होता है। इन सभी की मौजूदगी शरीर पर चर्बी जमने से रोकती है।

मसूर की दाल

मसूर की दाल के सेवन से भी व्यक्ति मोटापे से बचा रहता है। इसे खाने से शरीर में इन्सुलिन की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है। बाजार में मसूर की दाल कई तरह की आती है, लेकिन लाल और पीली दाल 15 से 20 मिनट में तैयार हो जाती है। इसे यदि पास्ता सॉस के साथ पकाया जाएं तो यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद होती है।

अनार

अनार का जूस आपको हर तरह से स्वस्थ बनाता है। इसमें कम कैलोरी और फाइबर की अधिक मात्रा होती है। इसके सेवन से शरीर में एनर्जी आती है और भूख का कम अहसास होता है।

सेब

वजन को नियंत्रित करने के लिए सेब का सेवन बहुत ही फायदेमंद है। यदि आप नियमित तौर पर एक सेब खाने की आदत बना लेते हैं तो यह आपके वजन को तो कंट्रोल करेगा ही, साथ ही आपको फिट भी रखेगा।

सूप

एक कप चिकन सूप पीने से चिकन पीस खाने के बराबर एनर्जी मिलती है। चिकन सूप पीने से भूख का अहसास कम होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है। इसी कारण इसे पीने के बाद व्यक्ति खाने की तरफ कम भागता है।

बीन्स

बीन्स का सेवन वजन कम रखने में बहुत मददगार है। बीन्स में फाइबर पाया जाता है। शरीर में फाइबर की मात्रा बने रहने पर भूख का अहसास कम होता है। फाइबर ज्यादा मात्रा में होने पर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम रहती है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन पुलिस की बर्बरता सही नहीं

● सुप्रीम कोर्ट बोला-आंदोलन एक सवैधानिक अधिकार है

कहा-प्रोटोकॉल तय हो, पुलिस से मारपीट भी चिंताजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा

जा सकता है। अब कोर्ट मंगलवार को इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च से जुड़ी हैं। पुलिस-रैपिड ऐक्शन फोर्स ने लाठीचार्ज किया,आंसू गैस के गोले छोड़े, पथराव भी हुआ। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी घायल हुए।

संसद मार्च में हुआ था लाठीचार्ज, 100 से ज्यादा घायल थे

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक चले प्रदर्शन में कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, संसद की ओर मार्च किया। ये लोग जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक से संसद के करीब पहुंच गए थे। इन लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि पुलिस ने शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर को खाली करा लिया।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में मेरा कोई रोल नहीं: गडकरी

● सड़क और परिवहन मंत्री बोले-यह पेट्रोलियम मंत्रालय से जुड़ा ● डीपफेक वीडियो पर मेटा-एक्स पर केस करेंगे, कोर्ट की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में उनका कोई रोल नहीं है। ये दोनों प्रोजेक्ट पूरी तरह से केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हैं। दरअसल मेटा

प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल पर एथेनॉल मामले में गडकरी के कई सारे एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो वायरल हो रहे हैं। गडकरी ने याचिका में कहा है कि इन वीडियो में उन्हें एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई-20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को डिजिटल कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। अब गडकरी मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल कंपनी के खिलाफ सिविल सुट दायर कर सकते हैं। भारत में 20 फीसदी एथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के इस मिश्रण (ई 20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं।

● **सरकारी मंत्रालयों को भी बनाया गया प्रतिवादी**- इस मामले में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा दूरसंचार मंत्रालय को भी प्रतिवादी बनाया गया है। गडकरी ने स्पष्ट किया है कि इस मुकदमे का उद्देश्य सार्वजनिक चर्चा या सरकारी नीतियों की आलोचना को रोकना नहीं है। याचिका में कहा गया है कि इसका मकसद जनता को किसी भी सरकारी फैसले पर निष्पक्ष बहस या आलोचना से रोकना नहीं है। गडकरी का तर्क है कि सोशल मीडिया पर मौजूद कंटेंट पूरी तरह से झूठा, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण है। याचिका के मुताबिक, अज्ञात लोगों ने एआई वीडियो के जरिए यह गलत धारणा फैलाई कि गडकरी और उनका परिवार ईबीपी और ई20 पहल से लाभ कमा रहा है।

धनुष भी थलपति विजय की तरह राजनीति में लेंगे एंट्री!

● इवेंट में भाषण के दौरान 'जनता की भलाई' का किया इशारा

चेन्नई (एजेंसी)। साउथ के स्टार एक्टर-डायरेक्टर धनुष ने एक बार फिर राजनीति में आने की अटकलों को हवा दी है। उन्होंने अपने फैन्स से कहा कि वे सिर्फफिल्मों से जुड़े जश्न तक ही सीमित न रहें, बल्कि अपनी एकता का इस्तेमाल जनसेवा के लिए करें। फैन्स के आयोजित एक ब्लड डोनेशन कैंप में कही गई उनकी ये बातें वायरल हो गईं। इसके बाद कई लोग सोचने लगे कि क्या वह भी थलपति विजय के नक्शेकदम पर चल रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में राजनीति में कदम रखा और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। इस इवेंट में अपने फैन्स से बात करते हुए धनुष ने एकता की ताकत के बारे में बताया और उनसे अपील की कि वे जरूरतमंद लोगों की मदद करके समाज में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा,इतने सारे लोग एक जगह जमा हुए हैं। इस तरह की एकता में बहुत ताकत होती है। हमें इस एकता को एक मकसद देना होगा।

एक और सुसाइड,अब महाराष्ट्र की नीट छात्रा ने दी अपनी जान

● जंतर-मंतर में सीजेपी आंदोलन के बाद आया पहला केस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली। नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद सुसाइड का यह पहला मामला है। नीट मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं। अंकिता ने सुसाइड नोट में लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 मार्क्स मिले, जबकि कटऑफ 177 था।

एके-47 से फायरिंग करने वाला पुलिसकर्मी सस्पेंड

● बिहार में एसपी के बॉडीगार्ड ने भीड़ की ओर चलाई थी गोलियां

सीवान (एजेंसी)। छात्रों पर लाठीचार्ज और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर 25 जुलाई को बिहार बंद बुलाया गया। इस दौरान पूरे प्रदेश में जमकर हंगामा और बवाल हुआ। 11 जिलों से पथराव और लाठीचार्ज की खबर आई। सबसे ज्यादा हंगामा सीवान में हुआ। जहां प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की गई। अब इस मामले में कार्रवाई हुई है, सीवान में स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान एके-47 से फायरिंग करने वाले एसपी पूरन झा के बॉडीगार्ड अभिषेक पटेल को सस्पेंड कर दिया गया है। फायरिंग में तीन छात्रों को गोली लगी थी। अब ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने जनहित याचिका दायर की है।

प्रधान बोले-स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं

● संसद पहुंचने पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था-ऐसा होता रहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुंचे। संसद परिसर में प्रधान के पहुंचते ही भाजपा और एनडीए सांसदों की भीड़ उनका स्वागत करने पहुंची। विपक्षी सांसदों ने भी उनसे मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक विपक्षी सांसद ने तंज कसा कि यह पहली बार है, जब किसी मंत्री ने आरोप का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी कहा- ऐसा होता रहता है। इस पर धर्मेंद्र प्रधान ने जवाब दिया, मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी कमरों में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं। प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

रन-अप में बदलाव का मिला फायदा, रवि बिश्नोई का जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में दमदार प्रदर्शन

हरारे (एजेंसी)। भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीती गई टी20 सीरीज के बाद अपनी शानदार वापसी का राज बताया। बिश्नोई ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर हुई गलतियों के बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में अपनी रन-अप पर कड़ी मेहनत की और अब उसका सकारात्मक परिणाम मैदान पर देखने को मिल रहा है। जिम्बाब्वे दौरे पर बिश्नोई ने तीन विकेट झटके और भारत की क्लीन स्वीप में अहम भूमिका निभाई।

इंग्लैंड दौरे की गलती से लिया सबक

रवि बिश्नोई के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद निराशाजनक रहा था। मैनचेस्टर टी20 में उन्होंने तीन बैक-फुट नो-बॉल फेंकी थीं और 60 रन खर्च किए थे। उस मुकाबले के बाद उनकी गेंदबाजी और खासकर रन-अप को लेकर सवाल उठे। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पूर्व स्पिनर सैराज बहुतुले और सुनील जोशी की निगरानी में अपनी तकनीक पर काम किया।

गलतियां सुधारीं, अब नतीजे सामने हैं

सीरीज खत्म होने के बाद रवि बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी की कमियों पर मेहनत की और कोचिंग स्टाफ से लगातार मदद मिली।रवि बिश्नोई ने कहा, मैंने उन चीजों पर काम किया जिनमें सुधार की जरूरत थी, क्योंकि मेरी गेंदबाजी में कुछ गलतियां आ गई थीं। अब उन पर काम करने का फायदा मिल रहा है और उसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कोचों ने मेरा काफी समर्थन किया और बताया कि मुझे किन पहलुओं पर काम करना है। मेरा रन-अप थोड़ा ज्यादा वाइड हो गया था, जो आमतौर पर नहीं होता, लेकिन दुर्भाग्य से इंग्लैंड वाले मैच में बार-बार ऐसा हुआ।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026

भारत को बड़ा झटका | राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह का 100 मीटर हीट में सफर समाप्त

ग्लास्को (एजेंसी)। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की सबसे बड़ी एथलेटिक्स पदक उम्मीदों में शामिल गुरिंदरवीर सिंह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा के शुरुआती हीट से आगे नहीं बढ़ सके। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

गुरिंदरवीर ने मई 2026 में रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रचा था। वह 10.10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने थे। इस प्रदर्शन के बाद उनसे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें थीं, लेकिन अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके।

अब हाई जंप पर टिकी भारत की नजर

गुरिंदरवीर के बाहर होने के बाद अब भारतीय एथलेटिक्स दल की उम्मीदें पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा पर टिकी हैं। फाइनल में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे, पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर और आदर्श राम ज्योति शंकर भारत की चुनौती पेश करेंगे। सर्वेश कुशारे हाल ही में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में तीसरा स्थान हासिल कर शानदार फॉर्म का भी परिचय दिया था।

10.39 सेकंड का समय भी नहीं दिला सका सेमीफाइनल का टिकट

100 मीटर हीट में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.39 सेकंड का समय निकाला। हालांकि यह प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सभी 11 हीट समाप्त होने के बाद गुरिंदरवीर 73 धावकों में 28वें स्थान पर रहे। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष 17 धावकों को जगह मिली। रिपोर्ट के अनुसार यदि गुरिंदरवीर 10.24 सेकंड का समय निकालते तो वह अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पहुंचे थे ग्लासगो

गुरिंदरवीर ने फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाते हुए अनिमेष कुजूर के एक दिन पहले बने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। इसी वजह से उन्हें ग्लासगो में भारत के संभावित पदक विजेताओं में गिना जा रहा था।

चिली के क्लब कोलो कोलो से जुड़ेंगे

फीफा वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले गोलकीपर वोजिन्हा

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से दुनिया का ध्यान खींचने वाले केप वर्डे के अनुभवी गोलकीपर वोजिन्हा अब चिली के मशहूर फुटबॉल क्लब कोलो कोलो से जुड़ने जा रहे हैं। क्लब के अध्यक्ष अनिबल मोसा ने इस समझौते की पुष्टि की है। 40 वर्षीय वोजिन्हा फिलहाल 'फ्री एजेंट' (किसी भी क्लब से अनुबंध नहीं) हैं। वह अगले कुछ दिनों में मेडिकल जांच के लिए चिली जाएंगे। मेडिकल टेस्ट पूरा होने के बाद उनके साथ आधिकारिक अनुबंध पर हस्ताक्षर होंगे और फिर एस्टाडियो मॉन्यूमेंटल में उन्हें क्लब अपने नए खिलाड़ी के रूप में पेश करेगा। कोलो कोलो के अध्यक्ष अनिबल मोसा ने बताया कि वोजिन्हा जल्द ही चिली पहुंचेंगे। सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें टीम का हिस्सा बना लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत वोजिन्हा को यह बड़ा मौका मिला है। इसके साथ ही उन्होंने माना कि इस ट्रांसफर से क्लब को खेल के साथ-साथ व्यावसायिक स्तर पर भी फायदा मिलने की उम्मीद है। हालांकि, अभी इस ट्रांसफर की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन कोलो कोलो ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा कर इसके संकेत दे दिए हैं। तस्वीर में वोजिन्हा के घुंघराले बाल दिखाई दे रहे थे, जिसके बाद क्लब के प्रशंसकों ने उनके आने की अटकलें तेज कर दी हैं। वर्ल्ड कप से पहले वोजिन्हा ने पुर्तगाल के दूसरे डिवीजन के क्लब चावेस को छोड़ दिया था। इसके बाद विश्व कप में अपने प्रदर्शन से वह हर किसी का दिल जीतने में सफल रहे। फीफा की फैन वोटिंग से चुनी गई वर्ल्ड कप ड्रीम टीम में भी वोजिन्हा को जगह मिली।

'मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं' : निकोलस

इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली । अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़ रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था; यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है।' ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला। इस मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। निराशाजनक नतीजे के बावजूद, ओटामेंडी ने कहा कि उन्हें टीम की कोशिश पर गर्व है। 'किस्मत को यही मंजूर था कि मेरा आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल हो। नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि इस ग्रुप ने आखिरी सेकंड तक कोशिश की। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं इस सुकून के साथ विदा ले रहा हूं कि मैंने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

सौम्य सरकार की 5 साल बाद वापसी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सौम्य सरकार को शामिल किया गया है। सौम्य आखिरी बार 2021 में टेस्ट फॉर्मेट में खेले थे। दूसरी तरफ, 2023 की डब्ल्यूटीसी चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर चुकी है।

पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम

नजमुल हुसैन शंतो (कप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, अमीत हसन, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), तैजुल इस्लाम, तास्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन चौधरी, मुश्फिक हसन।

एक ही घर में वास्तुदोष से नुकसान और वास्तु सुधार से लाभ, जानें पूरी कहानी

अपने भवन का निर्माण जल्दीबाजी में नहीं करना चाहिए। सभी दृष्टियों से सोच-समझकर विद्वान वास्तुकारों की सलाह लेकर ही भवन निर्माण आदि करवाना चाहिए, ताकि नए भवन में रहने पर किसी भी प्रकार के वास्तुदोष की गुंजाइश न रहे। आज यहां एक ऐसे भवन की चर्चा कर रहे हैं, जिसमें वास्तुदोष के कारण मकान मालिक पर कष्ट आया, वास्तु सुधार के बाद आज उनका परिवार सम्पन्न है। बहुत वर्षों पहले एक सज्जन ने विकास प्राधिकरण द्वारा एक भूखण्ड प्राप्त किया था, बैंक से ऋण लेकर मकान बनवाने का विचार किया। वह सज्जन कर्म प्रधान थे, कर्म को सर्वोपरि मानने के कारण ईश्वर पर उनकी आस्था नहीं थी, इसलिए उन्होंने वास्तु के सिद्धान्तों की अवहेलना कर येन-केन-प्रकारेण दो-तीन कमरों का छोटा-सा मकान भूखण्ड पर बना लिया, वह वास्तु के नियमों के सर्वथा विपरीत था। वास्तु विजिट के दौरान उस भूखण्ड पर निम्नलिखित वास्तुदोष पाए गए।

उस भवन में उत्तर व पूर्व दिशाएँ बन्द कर दी गई और दक्षिण-पश्चिम में खुला स्थान अधिक छोड़ दिया गया था।

उत्तर-पूर्व में रसोई घर की स्थिति उपयुक्त नहीं थी।

पूर्व में सीढ़ियाँ तथा दक्षिण-पूर्व यानि आग्नेय कोण पर शौचालय व स्नानघर उचित स्थान पर नहीं थे।

सीढ़ियों के ऊपर ढकने के लिये बनाई गई अटारी के कारण पूर्व की ओर भवन की ऊंचाई पश्चिम व दक्षिण की अपेक्षा अधिक हो गई जो वास्तु के विपरीत थी।

भूखण्ड के दक्षिण में उत्तर की अपेक्षा अत्यधिक स्थान खाली छोड़ कर निर्माण कराया गया था।

इसी प्रकार के वास्तुदोष तथा मकान मालिक की व्यक्तिगत ग्रहदशा के कारण उक्त भूखण्ड क्रय करने के पश्चात् एक वर्ष भी नहीं बीता था कि बीमारी के कारण मकान मालिक की मृत्यु हो गई। कुछ वर्षों बाद उस परिवार के एक सदस्य ने भवन का वास्तु दिखवाया, भवन में निम्नलिखित वास्तु सुधार कराया गया। दक्षिणी भाग में खाली पड़ी अतिरिक्त भूमि को बेचकर उस भूखण्ड को छोटा कराया गया जिससे दक्षिण की ओर खाली स्थान उत्तर की अपेक्षा कम हो गया, जिससे उस जगह का वास्तुदोष समाप्त होने के कारण परिवार के सदस्यों को धन भी प्राप्त हुआ।

सीढ़ियाँ व शौचालय पूर्व व दक्षिण पूर्व में वर्तमान स्थान से हटाकर दक्षिण-पश्चिम भाग में बनाए गए, जो उस भवन के वास्तु के अनुसार उचित थे।

रसोईघर को दक्षिण-पूर्व यानि अग्नि कोण पर परिवर्तन किया गया।

सम्बन्धित व्यक्तियों ने उक्त सलाह मान ली और इसके अनुसार ही परिवर्तन तुरन्त किया गया। वास्तु सम्बन्धी नियमों को समझकर आवश्यक सुधार कराने पर उस परिवार की सारी कठिनाइयाँ दूर होती चली गई और सुगमता से मकान का निर्माण पूरा हो सका। आज वह परिवार अपने घर में सुख से निवास कर रहा है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहना होगा। आपके घर किसी अतिथि के आने से परिवार के सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को अपने विरोधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। आप अपने कामों से अपने बॉस को खुश रखेंगे। कार्यक्षेत्र में माहौल अच्छा रहेगा, जिससे आपको काम करने में खूब मजा आएगा।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रोत्साहन मिलेगा। आपके मन में प्रतिस्पर्धा का भाव बना रहेगा। वरिष्ठ सदस्यों का आपको भरपूर मात्रा में सहयोग मिलेगा। दान धर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। परोपकार के कार्यों से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। भाई व बहन के विवाह में आ रही समस्या भी दूर होगी।

मिथुन

मिथुन- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। संतान के किसी काम को लेकर आपका मन परेशान रहेगा। कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है। आप काम के सिलसिले में अपनी व्यवसाय पर ध्यान थोड़ा कम देंगे। आपको किसी नई नौकरी के मिलने से परिवार के सदस्य भी खुश रहेंगे। आपकी इनकम पहले से बेहतर रहेगी।

कर्क

कर्क – आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। शेयर बाजार में आपको थोड़ा सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करना होगा। यदि आपका कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप किसी नए मकान की खरीदारी कर सकते हैं। आप कोई जरूरी बात घर व बाहर न जाने दे। नौकरी में यदि आप बदलाव की योजना बना रहे थे, तो आपको किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है।

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। नौकरी में आपका प्रमोशन मिलने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। परिवार में यदि आप किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई निर्णय लेंगे, तो वह भी आपको बेहतर रहेगा। आपके मन में किसी काम को लेकर यदि कंफ्यूजन हो, तो आप उसे बिल्कुल ना करें। आपके बढ़ते खर्च आपके लिए सिर दर्द बनेंगे।

कन्या

कन्या- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। किसी दूर रह रहे परिजन की आपको याद सता सकती है। आपकी इनकम के स्रोत बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी को लेकर लॉन्ग ड्राइव पर जाने की योजना बना सकते हैं। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है। सामाजिक कार्यक्रमों से आपको जुड़ने का मौका मिलेगा।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपका कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होगा। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। यदि लंबे समय से आपका कोई काम रुका हुआ था, तो वह पूरा हो सकता है। व्यापार में आपको चुटपुट लाभ की योजनाओं पर भी पूरा ध्यान देना होगा। आप इधर-उधर के कामों में ज्यादा समय व्यतीत करेंगे। आपको अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर निपटना होगा।

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए प्रभाव व प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। किसी नए वाहन की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपको अपनी सेहत में लापरवाही करने से बचना होगा। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। परिवार में नौकरी से संबंधित कामों को लेकर आपको भाग दौड़ अधिक रहेगी। कोई पारिवारिक समस्या यदि लंबे समय से आपको परेशान कर रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आपकी सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी और आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलती दिख रही है। आप अपने धन को लेकर योजना बनाकर चलें नहीं तो बाद में आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी ने मेहमान के दस्तक हो सकती हैं। विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिसमें उन्हें जीत अवश्य मिलेगी। आप अपने परिवार में किसी सदस्य के लिए कोई सरप्राइज पार्टी प्लान कर सकते हैं। छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश करेंगे, जिसे आप पूरा अवश्य करेंगे। आप किसी से कोई कड़वी बात ना बोले।

कुंभ

कुंभ- कुंभ राशि के जातकों के लिए आज दिन अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर लाभ मिलेंगे। किसी नई नौकरी का ऑफर आने से माहौल खुशनुमा रहेगा। साझेदारी में यदि आपने कोई फैसला लिया था, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे। यदि आपके ऊपर कुछ कर्ज था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतार सकते हैं। आपको किसी की कोई बात बुरी लग सकती है।

मीन

मीन- मीन राशि के जातकों को खुशियां भरपूर मिलेंगी, लेकिन उनके खान-पान में गड़बड़ी होने के कारण पेट संबंधित समस्याएं जन्म ले सकती हैं। संतान के साथ आप कुछ मौज मस्ती भरे पल व्यतीत करेंगे। आपको बिजनेस में भी अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। आप कोई फैसला थोड़ा सोच समझ कर लें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। बिजनेस में आप किसी को पार्टनर बनाने की सोच सकते हैं।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
T.S.Chandwani
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

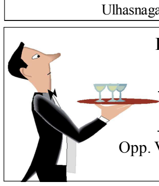

Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
Lodging and Boarding
24 Hours Room service available
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

LIVE IN LAP OF LUXURY
RAMDEVI TOWER
MAHARERA- P51700076849
1BHK & 2BHK & COMMERCIAL SHOPS AVAILABLE
Contact:
7770003478
7770003479
Gmail: ramdevitower2024@gmail.com
SITE ADDRESS :
B. K No- 1150,
ROOM NO. 3,4,5,6
POWAI CHOWK,
ULHASNAGAR - 421003.
DIST- THANE

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।

RNI No. 68359/93,

(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)

दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यतता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
✦ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
✦ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

टीईटी पेपर लीक मामला : फरार आरोपी ने अदालत में किया आत्मसमर्पण, अब तक 15

भिवंडी (नि.सं.)। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पेपर लीक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी सोनू कुमार ने सोमवार को अचानक भिवंडी न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। आरोपी के सरेंडर के बाद इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है।

गौरतलब है कि परीक्षा से महज दो दिन पहले टीईटी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने से पूरे महाराष्ट्र सहित देशभर में हड़कंप मच गया था। मामले का खुलासा 26 जून को भिवंडी पुलिस उपायुक्त परिमंडल के कोनगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुआ था. उस समय डीसीपी पवन बानखेडे के मार्गदर्शन में कोनगांव पुलिस ने सबसे पहले तीन आरोपियों को गिरफ्तार करके उनके विरुद्ध मामला दर्ज किया था। पुलिस अब तक इस प्रकरण में 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी थी, जिनमें कथित मुख्य साजिशकर्ता बिजेंद्र गुप्ता भी शामिल है। दो दिन पहले पुलिस ने उन्हें भी बिहार से गिरफ्तार कर लिया था. हालांकि गिरफ्तार आरोपियों में से 12 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जिसमें मुख्यसाजिशकर्ता की पत्नी भी हैं, जबकि बिजेंद्र गुप्ता और इंद्रजीत सिंह उर्फ पिंकू फ्लिहाल पुलिस हिरासत में हैं।

पुलिस ने बताया कि टीईटी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक का मुख्य आरोपी माना जा रहा सोनू कुमार लगातार पुलिस से बचता फिर रहा था। हालांकि मुख्य साजिशकर्ता बिजेंद्र गुप्ता की गिरफ्तारी के बाद स्वयं तक पुलिस के पहुंचने की आशंका के चलते उसने अंततः सोमवार को भिवंडी न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण के बाद न्यायालय ने सोनू कुमार को पुलिस के सुपुर्द करते हुए जांच एजेंसी को अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इधर, न्यायिक हिरासत में बंद आरोपियों सुमन कुमारी गुप्ता, नरेश कुमार, संजय कुमार शर्मा और मिथुन कुमार ने भिवंडी न्यायालय में जमानत याचिका दायर की है। आरोपियों के अधिवक्ता एडवोकेट शैलेश गायकवाड के अनुसार, इन जमानत अर्जियों पर बुधवार को सुनवाई होगी। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

एमपीएससी ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती पेपर लीक मामला
शिकायतकर्ता ने ही बताया आरोपों को फर्जी

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) की ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताओं के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। जिस व्यक्ति ने परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी, उसी ने बाद में आयोग को भेजे दूसरे ई-मेल में अपनी शिकायत को फर्जी बताते हुए दावा किया कि परीक्षा दोबारा कराने के उद्देश्य से यह शिकायत की गई थी। इस घटनाक्रम के बाद पूरे मामले ने नया राजनीतिक और प्रशासनिक विवाद खड़ा कर दिया है।

एमपीएससी ने 22 मार्च 2026 को ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती की लिखित परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा का परिणाम 12 जून को घोषित किया गया, जबकि 1 से 21 जुलाई के बीच सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए गए। इसके बाद 22 जुलाई को अंतिम चयन सूची जारी की गई। चयन सूची जारी होने के अगले ही दिन, 23 जुलाई को आयोग को ई-मेल के माध्यम से एक शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि परीक्षा से पहले कुछ प्रश्न और उनके उत्तर व्हाट्सएप पर वायरल हुए थे तथा कुछ अभ्यर्थियों के अंक संदिग्ध तरीके से बढ़ाए गए। शिकायतकर्ता ने व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्यों का हवाला देते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) से फॉरेंसिक जांच कराने की मांग भी की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एमपीएससी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता से सभी उपलब्ध साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही शिकायतकर्ता और जिन अभ्यर्थियों पर संदेह जताया गया था, उन्हें आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए गए।

आयोग ने स्पष्ट किया था कि सभी पक्षों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। इसी बीच गुरुवार रात इस मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया। शिकायतकर्ता ने आयोग को दूसरा ई-मेल भेजकर अपनी पहले की शिकायत को फर्जी बताया। सूत्रों के अनुसार, ई-मेल में उसने स्वीकार किया कि निकट भविष्य में परीक्षा दोबारा होने की संभावना नहीं दिख रही थी, इसलिए पुरानी परीक्षा रद्द कराकर नई परीक्षा कराने के उद्देश्य से यह शिकायत की गई थी। अब आयोग इस बात की भी जांच कर रहा है कि कथित तौर पर 20 मार्च को हुई घटनाओं से संबंधित शिकायत लगभग चार महीने बाद, अंतिम चयन सूची जारी होने के बाद ही क्यों की गई। पूरे घटनाक्रम की सत्यता और शिकायत के पीछे की वास्तविक मंशा की जांच की जा रही है। इस मामले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने कहा कि अब यह मुद्दा सार्वजनिक हो चुका है और केवल शिकायतकर्ता के बयान बदलने से मामला खत्म नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण यह है कि आयोग और सरकार उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर क्या कार्रवाई करते हैं। रोहित पवार ने आशंका जताई कि शिकायतकर्ता पर दबाव डाला गया हो सकता है और इस पूरे मामले की निष्पक्ष तथा गहन जांच कराए जाने की मांग की।

फर्जी दस्तावेजों से 'घोस्ट सिम' बेचने वाला पीओएस ऑपरेटर साइबर पुलिस के शिकंजे में

मुंबई (नि.स.)। पश्चिम साइबर पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सैकड़ों 'घोस्ट सिम' (म्यूल सिम) जारी कर उन्हें साइबर अपराधियों तक पहुंचाने के आरोप में एक पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) ऑपरेटर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी पर आरोप है कि वह दूसरों के नाम पर फर्जी तरीके से सिम कार्ड हासिल कर उन्हें साइबर ठगी करने वाले गिरोहों को बेचता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान प्रथमेश चोराट के रूप में हुई है, जो मोबाइल सिम जारी करने वाला अधिकृत पीओएस ऑपरेटर है। जांच में सामने आया कि वह लोगों के फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर या बैंकिंग संबंधी कार्यों के लिए जमा किए गए दस्तावेजों का दुरुपयोग कर सिम कार्ड जारी करता था। बाद में ये सिम साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए जाते थे।

साइबर पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि इन अवैध रूप से सक्रिय किए गए मोबाइल नंबरों को 'घोस्ट सिम' कहा जाता है। साइबर ठग इन सिम कार्डों का इस्तेमाल अपनी पहचान छिपाने, बायोमेट्रिक सुरक्षा प्रणाली को चकमा देने, फर्जी बैंक खाते संचालित करने तथा डिजिटल अरेस्ट, शेयर मार्केट निवेश, टास्क फ्रॉड और अन्य ऑनलाइन ठगी जैसी वारदातों को अंजाम देने में करते थे। एफआईआर के अनुसार, गृह मंत्रालय के अधीन इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर द्वारा संचालित नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज शिकायतों के विश्लेषण के दौरान कई संदिग्ध मोबाइल नंबर सामने आए। इन नंबरों का इस्तेमाल देशभर में साइबर ठगी की घटनाओं में किया गया था।

शेयर और फॉरेक्स ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का झांसा देकर 10 निवेशकों से 1.20 करोड़ रुपये की ठगी

ठाणे (नि.स.)। शेयर बाजार और फॉरेक्स (विदेशी मुद्रा) ट्रेडिंग में ऊंचा मुनाफा दिलाने का लालच देकर 10 निवेशकों से 1.20 करोड़ रुपये से अधिक की कथित ठगी करने के आरोप में नौपाड़ा पुलिस ने ठाणे स्थित एक निवेश कंपनी के संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, 47 वर्षीय ठाणे निवासी की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि ठाणे पश्चिम स्थित मीनाताई ठाकरे रोड पर संचालित निवेश फर्म के मालिक ने शेयर ट्रेडिंग और फॉरेक्स निवेश के जरिए भारी मुनाफा कमाने का भरोसा दिलाकर उसे और अन्य लोगों को निवेश के लिए प्रेरित किया। आरोप है कि निवेशकों को 11 से 12 महीने की अवधि के लिए हर महीने 6 से 12 प्रतिशत तक रिटर्न देने का वादा किया गया था।

आकर्षक मुनाफे के झांसे में आकर शिकायतकर्ता ने कंपनी में 18 लाख रुपये निवेश किए। शुरुआत में आरोपी ने शिकायतकर्ता को 7.20 लाख रुपये रिटर्न के रूप में दिए, जिससे उसका भरोसा और मजबूत हो गया। इसके बाद आरोपी ने न तो तयशुदा रिटर्न दिया और न ही निवेश की मूल राशि वापस की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ने इसी तरीके से कम से कम नौ अन्य निवेशकों को भी अपने जाल में फंसाया और उनसे भी बड़ी रकम निवेश कराई। इस तरह कुल मिलाकर 1.20 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी किए जाने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी अभी तक गिरफ्तार नहीं हो सका है। उसकी तलाश के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। साथ ही कंपनी के बैंक खातों के जरिए धन के लेन-देन की जांच की जा रही है, ताकि ठगी की पूरी रकम और इस फर्जी निवेश नेटवर्क के दायरे का पता लगाया जा सके।

'छत्रपति शिवाजी महाराज महसूल समाधान शिविर' का आयोजन आज

भिवंडी (नि.सं.)। राज्य सरकार द्वारा राजस्व विभाग को अधिक जनोन्मुखी, पारदर्शी और गतिशील बनाने के उद्देश्य से छत्रपति शिवाजी महाराज महसूल समाधान शिविर अभियान के तहत भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में आज 28 जुलाई मंगलवार को विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी तहसीलदार अभिजीत खोले ने देते हुए बताया कि यह शिविर गैबीनगर स्थित मनपा स्कूल क्रमांक 22/62 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय एवं भिवंडी तहसील कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

कैंप का मकसद है कि आम नागरिकों को एक ही दिन और एक ही जगह पर ज्यादा से ज्यादा सरकारी योजनाओं और जरूरी डॉक्यूमेंट्स का फायदा मिल सके। इस कैंप में अलग-अलग दफ्तर के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिवस तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. अजितदादा पवार की जयंती के अवसर पर 22 जुलाई से 2 अगस्त 2026 के बीच प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में इस अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। इससे पहले अप्रैल और मई में आयोजित राज्यस्तरीय शिविरों को नागरिकों का उत्साहजनक प्रतिसाद मिला था। उसी को ध्यान में रखते हुए इस योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

शिविर में नागरिकों को आधार कार्ड पंजीकरण एवं संशोधन, आयुष्मान भारत कार्ड, नई राशन कार्ड, आबादी क्षेत्र के नागरिकों को स्वामित्व प्रमाणपत्र वितरण, संजय गांधी निराधार योजना, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना, आय एवं निवास प्रमाणपत्र, मुख्यमंत्री बलीराजा खेत/पाणंद सड़क योजना, 'जिवंत 7/12' अभियान, सरकारी भूमि पर बने आवासीय अतिक्रमणों के नियमितीकरण से संबंधित सेवाएं, नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच तथा रक्तदान शिविर जैसी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। तहसीलदार अभिजीत खोले ने भिवंडी के नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित होकर विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाएं।

मुंबई में बनेगा देश का पहला ट्रैवलेटर युक्त स्कायवॉक
मोनोरेल-मेट्रो-लोकल का सफर होगा और आसान

मुंबई (नि.स.)। मुंबई में सार्वजनिक परिवहन को और अधिक आधुनिक एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। चेंबूर से सात रास्ता के बीच मोनोरेल सेवा जल्द दोबारा शुरू होने की तैयारी के बीच अब सातरास्ता से महालक्ष्मी तक देश का पहला ट्रैवलेटर (चलते पट्टे) से सुसज्जित स्कायवॉक बनाया जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने से मोनोरेल, मेट्रो लाइन-3 और महालक्ष्मी उपनगरीय रेलवे स्टेशन के बीच यात्रियों का आवागमन पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और आसान हो जाएगा।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष मानसून के दौरान मोनोरेल में तकनीकी खराबी आने से सैकड़ों यात्री बीच रास्ते में फंस गए थे। उस दौरान अग्निशमन विभाग को मोनोरेल की खिड़कियों के शीशे तोड़कर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा था। अब मोनोरेल में स्वदेशी रेक शामिल किए गए हैं और आधुनिक सीबीटीसी सिग्नल प्रणाली भी स्थापित कर दी गई है। इसके बाद जल्द ही चेंबूर से सातरास्ता के बीच मोनोरेल सेवा फिर से शुरू होने की उम्मीद है। इसी क्रम में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) महालक्ष्मी मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी परियोजना के तहत सातरास्ता मोनोरेल स्टेशन से महालक्ष्मी स्टेशन तक अत्याधुनिक ट्रैवलेटर युक्त स्कायवॉक का निर्माण करेगा। यह स्कायवॉक संत गाडगे महाराज चौक, मोनोरेल स्टेशन, मेट्रो लाइन-3 और महालक्ष्मी उपनगरीय रेलवे स्टेशन को एक ही नेटवर्क से जोड़ेगा। हवाई अड्डों की तरह इस स्कायवॉक पर यात्रियों को ट्रैवलेटर की सुविधा मिलेगी, जिसमें वे आराम से खड़े रहकर भी तेज़ी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। इस सुविधा के शुरू होने के बाद विभिन्न परिवहन सेवाओं के बीच इंटरचेंज का समय घटकर लगभग 20 मिनट रह जाएगा। इससे मोनोरेल का दक्षिण मुंबई और वरली से संपर्क भी अधिक सुगम हो जाएगा।

भीषण आग से टेंपो जलकर राख

भिवंडी (नि.सं.)। भिवंडी तालुका के वडपे-वंजारपट्टी नाका मार्ग स्थित निंबवली फाटा के पास खड़े एक टेम्पो में रविवार को अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरा टेम्पो जलकर राख हो गया। हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

सूत्रों के अनुसार, टेम्पो नासिक से किराना सामान लेकर पोगांव स्थित अमेजन गोदाम की ओर जा रहा था। रास्ते में चालक निंबवली फाटा के पास चाय पीने के लिए वाहन खड़ा कर नीचे उतरा। इसी दौरान अचानक टेम्पो में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग तेजी से फैल गई और पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास मौजूद लोगों ने पानी की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू नहीं पाया जा सका। परिणामस्वरूप टेम्पो पूरी तरह जलकर खाक हो गया। सूचना मिलने पर यातायात शाखा और भिवंडी तालुका पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गनीमत रही कि घटना के समय चालक समय रहते वाहन से बाहर निकल चुका था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

फिर सक्रिय हुआ मानसून, अगले 48 घंटे भारी
कोंकण-मध्य महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश की चेतावनी

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र में मानसून एक बार फिर पूरी तरह सक्रिय हो गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 से 48 घंटों के दौरान कोंकण, घाट क्षेत्र और मध्य महाराष्ट्र के कई इलाकों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मुंबई क्षेत्रीय मौसम केंद्र ने मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग समेत कोंकण के कई जिलों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार अरब सागर से लगातार आ रही नमी और सक्रिय मानसूनी प्रणाली के कारण बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। समुद्र में ऊंची लहरों की आशंका को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

- ठाणे में भी बढ़ा खतरा

ठाणे जिले के भिवंडी, शाहपुर, मुरबाड और कल्याण ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बारिश से नदियां और नाले उफान पर हैं। कई गांवों में पानी घुस गया है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा बढ़ने के बाद प्रशासन ने संवेदनशील स्थानों पर विशेष टीमें तैनात कर दी हैं। लोगों को नदियों, झरनों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

- अगले दो दिन बेहद अहम

मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटों के दौरान कोंकण, घाट क्षेत्रों और मध्य महाराष्ट्र में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का अलर्ट बरकरार रखा है। जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग और स्थानीय निकायों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। नागरिकों से केवल मौसम विभाग और प्रशासन की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने तथा आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की गई है।

घाटकोपर में बनेगा नया केबल-स्टेड ब्रिज
पूर्व-पश्चिम उपनगरों के बीच सफर होगा आसान

मुंबई (नि.स.)। मुंबई के पूर्व और पश्चिम उपनगरों के बीच यातायात को तेज और सुगम बनाने के लिए घाटकोपर में नया अत्याधुनिक केबल-स्टेड ब्रिज बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद वर्षों से ट्रैफिक जाम की समस्या झेल रहे लाखों वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मुंबई मनपा और महाराष्ट्र रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमआरआईडीसी) के संयुक्त प्रयास से साकार किया जाएगा। घाटकोपर रेलवे ओवरब्रिज पूर्व और पश्चिम मुंबई को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग था। लेकिन वर्ष 2018 में सुरक्षा जांच के दौरान पुल को जर्जर और असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद इसे वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया था। इसके बाद से वाहन चालकों को जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड (जेवीएलआर) और अंधेरी-घाटकोपर लिंक रोड (एजीएलआर) जैसे वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करना पड़ रहा है, जिससे इन सड़कों पर लगातार भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए गोलीबार रोड जंक्शन से पूर्वी एक्सप्रेस हाईवे तक नया केबल-स्टेड ब्रिज बनाया जाएगा। यह पुल सीधे लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) मार्ग से जुड़ा होगा, जिससे पूर्व और पश्चिम उपनगरों के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा और यातायात का दबाव भी घटेगा। परियोजना में आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। नया पुल मध्य रेलवे लाइन, मेट्रो-4 कॉरिडोर तथा प्रस्तावित मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के भूमिगत मार्ग के ऊपर से होकर गुजरेगा। प्रशासन ने इस परियोजना को वर्ष 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। पुल शुरू होने के बाद साकीनाका, मरोल, मुंबई एयरपोर्ट, घाटकोपर और एलबीएस मार्ग की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही एजीएलआर, जेवीएलआर, पंतनगर, गांधीनगर और विक्रोली क्षेत्र में लगने वाले ट्रैफिक जाम में भी उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that we are 1) Shri Kanayalal Hiranand Mulchandani, 2) Shri Dinesh Kanayalal Mulchandani, 3) Shri Sunil Kanayalal Mulchandani, and 4) Mrs. Khushboo Pradeep Hinduja (Maiden Name Miss Veena Kanayalal Mulchandani) are lawful and legal owners of immovable property known as Bk. No- 2099, Room No- 1, Sheet No- 74, CTS No- 28031, Ulhasnagar-421005, Dist. Thane. That we are the legal heirs of Late Smt. Savitri Kanayalal Mulchandani who is expired on 09-03-2016. That the said Late Smt. Savitri Kanayalal Mulchandani had left behind the legal heirs namely: 1. Shri Kanayalal Hiranand Mulchandani, 2. Shri Dinesh Kanayalal Mulchandani, 3. Shri Sunil Kanayalal Mulchandani, and 4. Mrs. Khushboo Pradeep Hinduja (Maiden Name Miss Veena Kanayalal Mulchandani) of immovable property known as Bk. No- 2099, Room No- 1, Sheet No- 74, CTS No- 28031, Ulhasnagar-421005, Dist. Thane. That we further say that we have filed the Mutation Entry in respect of Property Card No- 28031, in the City Survey Office, Ulhasnagar-5.

That anyone has any objection in respect of the above mutation entry, then the same shall raise objection within 7 days in the City Survey Office, Ulhasnagar.

Sd/-

1. Shri Kanayalal Hiranand Mulchandani
2. Shri Dinesh Kanayalal Mulchandani
3. Shri Sunil Kanayalal Mulchandani
4. Mrs. Khushboo Pradeep Hinduja (Maiden Name Miss Veena Kanayalal Mulchandani)

जर्जर इमारत की पहली मंजिल की बालकनी गिरी, बड़ा हादसा टला

भिवंडी (नि.सं.)। भिवंडी तालुका के कारीवली गांव में रविवार शाम एक पुरानी और जर्जर इमारत की पहली मंजिल का छज्जा (बालकनी का हिस्सा) अचानक भरभराकर गिर गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। यह इमारत कारीवली ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थित है और काफी समय से जर्जर अवस्था में बताई जा रही थी। बालकनी गिरने के समय उसके नीचे कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों के अनुसार यदि घटना के समय वहां लोगों की आवाजाही होती तो गंभीर जनहानि हो सकती थी। इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र की जर्जर और खतरनाक इमारतों का तत्काल सर्वेक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके।

टीसी पर यात्री को चलती ट्रेन से लात मारकर गिराने का आरोप
रेलवे ने सीसीटीवी के आधार पर दावे को किया खारिज

मुंबई (नि.स.)। मुंबई की लाइफलाइन मानी जाने वाली लोकल ट्रेन एक बार फिर विवादों में है। हाल के दिनों में लोकल ट्रेनों में मारपीट, झगड़े और हत्या जैसी घटनाओं के बाद अब एक नया मामला सामने आया है। एक यात्री ने टिकट जांचकर्ता (टीसी) पर बिना टिकट यात्रा कर रहे व्यक्ति को चलती लोकल ट्रेन से लात मारकर बाहर गिराने का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि, रेलवे प्रशासन ने इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपना पक्ष रखा है। शिकायतकर्ता सचिन कुमार मौर्य के अनुसार, यह घटना 25 जुलाई को सुबह करीब 9.30 बजे मस्जिद बंदर स्टेशन के पास हुई।

मौर्य ने बताया कि वह ट्रेन से उतर रहे थे, तभी एक टीसी बिना टिकट यात्रा कर रहे एक यात्री से पूछताछ कर रहा था। आरोप है कि जब टीसी को पता चला कि यात्री के पास जुर्माना भरने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं, तो उसने उसे चलती ट्रेन से लात मारकर बाहर धक्का दे दिया। मौर्य का दावा है कि वह यात्री सीधे रेलवे ट्रैक पर जा गिरा। सचिन कुमार मौर्य ने कहा कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने सुबह 9.26 बजे रेलवे हेल्पलाइन 1512 पर इसकी शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, रेलवे प्रशासन ने इस मामले में अलग ही तस्वीर पेश की है। रेलवे के अनुसार, संबंधित टिकट जांचकर्ता ने सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। टीसी का कहना है कि उसे देखते ही संदिग्ध बिना टिकट यात्री ट्रेन के दूसरी ओर से स्वयं ही कूद गया था। इसके बाद वह भी तुरंत ट्रेन से नीचे उतर गया। रेलवे प्रशासन का कहना है कि भायखला रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सीसीटीवी फुटेज की जांच में टीसी को डिब्बे में चढ़ते और कुछ ही सेकंड बाद उतरते हुए देखा गया है। फुटेज में यात्री के साथ किसी प्रकार की मारपीट, धक्का-मुक्की या लात मारने जैसी कोई घटना दिखाई नहीं देती। रेलवे का दावा है कि टीसी महज चार से पांच सेकंड तक ही डिब्बे में रहा। इतने कम समय में किसी यात्री को लात मारकर बाहर फेंकना और फिर तुरंत नीचे उतर जाना संभव नहीं है। फिलहाल रेलवे प्रशासन ने मामले की जांच जारी होने की बात कही है।

नमुना एन.डी.
(नियम ९२ (३) पहा)

लोकांच्या माहितीसाठी याद्वारे कळविण्यात येते की, मारूति सुझुकी अर्टिगा कार क्र. MH05-FB-1408 चे मालक **श्री कौस्तुभ सतिशचंद्र बहुलेकर** यांचे दिनांक 21/02/2026 रोजी निधन झालेले आहे.

श्रीमती पल्लवी सतीशचंद्र बहुलेकर उपरोल्लेखित वाहनांच्या कब्जाचा उत्तराधिकारी असल्यामुळे सदर परवान्याचा वापर करण्याचा माझा इरादा आहे आणि त्यानुसार त्या परवान्याचे माझ्या नांवावर हस्तांतरण होण्यासाठी मी उपप्रादेशिक परिवहन कार्यालय कल्याण यांचेकडे अर्ज केलेला आहे.

याबाबतीत कोणताही दावा सांगणाऱ्या किंवा हरकत असलेल्या कोणत्याही व्यक्तिने ही नोटिस प्रसिद्ध झाल्यापासून 15 दिवसांच्या आत असा दावा किंवा हरकत उपप्रादेशिक परिवहन कार्यालय कल्याण यांच्या निदर्शनास आणून दिली पाहिजे.

उत्तराधिकाऱ्यांचे नाव व पत्ता
नाव:- पल्लवी सतीशचंद्र बहुलेकर
पत्ता:- A/1, 401, निवारा कॉम्प्लेक्स IDBI बँकेच्या वर टिळक चौक, कल्याण पश्चिम, जि.ठाणे. महाराष्ट्र-421301.
मोबाइल नं. **9833160690**